Contents

GS PAPER 1 9

TOPIC : WHO WAS CHAOLUNG SUKAPHA? 9

कौन थे चालूंग सुकफा? 9

कौन थे अहोम? 9

TOPIC : VARIYAMKUNNATH KUNJAHAMMED HAJI.. 9

वरियमकुन्नथ कुंजअहमद हाजी कौन था? 9

विद्रोह की प्रकृति 10

विद्रोह का अंत 10

TOPIC : WHAT IS VICTORY DAY? 10

विजय दिवस के बारे में 10

रूस में विजय दिवस 9 मई को क्यों मनाया जाता है? 10

TOPIC : CYCLONIC STORM 'NISARGA' 10

तूफान को निसर्ग नाम किसने दिया? 11

तूफानों के नाम कौन रखता है? 11

नाम को लेकर भी होता है हमेशा विवाद 11

चक्रवात की परिभाषा 11

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात (TROPICAL CYCLONES) 11

शीतोष्ण चक्रवात 12

TOPIC : SC TURNS DOWN REQUEST TO STAY GOVT NOTIFICATION SUSPENDING FEMALE FOETICIDE RULES 12

PC/PNDT अधिनियम से सम्बंधित तथ्य 12

बाल लिंग अनुपात में गिरावट की रोकथाम के लिए की गयी पहल 13

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 13

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय 13

मानव संसाधन विकास मंत्रालय 13

TOPIC : RAJA PARVA OF ODISHA 13

TOPIC : TALAMADDALE 14

ताल-मद्दले क्या है? 14

यक्षगान (YAKSHAGANA) 14

TOPIC : AXONE 15

एक्सोन क्या है? 15

एक्सोन का प्रयोग 15

TOPIC : KEELADI EXCAVATIONS 15

अभी तक के खुदाई में कीलादी उत्खनन से निकले निष्कर्ष 15

TOPIC : SENKAKU ISLAND – DISPUTE BETWEEN CHINA AND JAPAN 16

मामला क्या है? 16

सेनकाकू द्वीप 16

विवादित क्षेत्र का आर्थिक महत्त्व 16

सेन फ्रांसिस्को संधि 17

TOPIC : PUNE NGO AIMS TO REVIVE SPIRIT OF 'LAL-BAL-PAL' 17

कार्यक्रमों के आयोजन का कारण 17

इस कार्यक्रम के विषय में कुछ मुख्य तथ्य 17

लाल-बाल-पाल का योगदान 17

TOPIC : WMO FINDINGS ON LIGHTNING STRIKES.. 18

प्रतिवेदन में और क्या-क्या बातें हैं? 18

वज्रपात क्या है? 18

बिजली बादल से पृथ्वी तक कैसे पहुँचती है? 18

वज्रपात की भविष्यवाणी 19

GS PAPER 2 19

TOPIC : OFFICIAL LANGUAGE IN HIGH COURTS.... 19

याचिका में क्या कहा गया है? 19

इस विषय में संविधान क्या कहता है? 19

TOPIC : NEW DEVELOPMENT BANK 20

RTI के तहत 'पब्लिक अथॉरिटी 'क्या है? 20

पीएम केयर्स फंड क्या है? 20

TOPIC : 23 ADDITIONAL MFP ITEMS INCLUDED IN MSP LIST 20

आवश्कयता 20

गौण वन ऊपज के विभिन्न मदों में 16 से 66 प्रतिशत तक की वृद्धि किया गया है 21

न्यूनतन समर्थन मूल्य सूची में सम्मिलित फसलों के नाम 21

लघु वन उपज का महत्त्व 21

TOPIC : PM SVANIDHI 21

PM SVANIDHI योजना का लाभ किसे मिलेगा? 21

पीएम स्वनिधि योजना के बारे में मुख्य तथ्य..... 22
TOPIC : CONGO DECLARES NEW EBOLA EPIDEMIC 22
EBOLA के बारे में..... 22
चिंता का विषय..... 22
TOPIC : WHY CHINA IS OPPOSING THAAD DEFENCE SYSTEMS IN SOUTH KOREA?..... 22
THAAD क्या है?..... 22
चीन द्वारा थाड के विरोध के कारण..... 23
पूर्व में थाड को लेकर चीन की प्रतिक्रिया..... 23
TOPIC : GROUP OF SEVEN (G-7) CLUB..... 23
G7 शिखर सम्मेलन क्या है?..... 23
उद्देश्य..... 23
G7 का माहात्म्य..... 24
TOPIC : ONE NATION-ONE RATION CARD SCHEME. 24
एक राष्ट्र – एक राशन कार्ड योजना क्या है?..... 24
लाभ..... 24
माहात्म्य..... 24
चुनौतियाँ..... 24
TOPIC : CHINA-PAKISTAN ECONOMIC CORRIDOR (CPEC)..... 24
कोहला जलविद्युत् परियोजना..... 25
CPEC..... 25
भारत की चिंताएँ..... 25
TOPIC : SOCIAL STOCK EXCHANGES..... 25
सोशल स्टॉक एक्सचेंज क्या है?..... 25
मुख्य अनुशंसाएँ..... 26
लाभ..... 26
उद्यमी कितने प्रकार के होते हैं?..... 26
TOPIC : PETITION ON NATION'S NAME..... 26
याचिका में क्या कहा गया है?..... 26
संविधान में है क्या?..... 27
क्या पहले भी इस तरह का मुद्दा उठाया गया है?..... 27
TOPIC : AMENDMENTS TO THE ESSENTIAL COMMODITIES ACT..... 27
आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955..... 27
इस अधिनियम में समस्याएँ..... 27
भण्डारण प्रतिबन्ध हटाने के बाद के संभावित प्रभाव..... 28
TOPIC : VISITING FORCES AGREEMENT – VFA..... 28
विजिटिंग फोर्सेज एग्रीमेंट (VFA) क्या है?..... 28
विजिटिंग फोर्सेज एग्रीमेंट (VFA) निरस्त होने का अमेरिका पर क्या प्रभाव होगा? 28
फिलीपींस के लिए निहितार्थ..... 28
TOPIC : OTT (OVER-THE-TOP) क्या है?..... 29
OTT (OVER-THE-TOP) क्या है?..... 29
TOPIC : ELECTRONICS INCENTIVE SCHEMES LAUNCHED..... 29
ये योजनाएँ हैं –..... 29
उत्पादन से जुड़ा हुआ उत्प्रेणन (PRODUCTION LINKED INCENTIVE)..... 29
इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं सेमी-कंडक्टरों के निर्माण हेतु प्रोत्साहन योजना (SCHEME FOR PROMOTION OF MANUFACTURING OF ELECTRONIC COMPONENTS AND SEMICONDUCTORS – SPECS)..... 29
परिमार्जित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण संकुल योजना – (MODIFIED ELECTRONICS MANUFACTURING CLUSTERS (EMC 2.0) SCHEME..... 30
TOPIC : DISQUALIFICATION SHADOW ON 7 NAGALAND MLAS..... 30
विवाद क्या है?..... 30
संविधान की दसवीं अनुसूची क्या है?..... 30
दल-परिवर्तन विरोधी कानून के बारे में..... 30
इस अधिनियम के तहत अपवाद..... 30
हाल की घटनाएँ..... 31
अध्यक्ष की भूमिका में परिवर्तन की आवश्यकता क्यों है?..... 31
TOPIC : LAW AGAINST MOB LYNCHING..... 31
मॉब लिंचिंग क्या है?..... 31
सामूहिक नरसंहार के मामले अभी किस प्रकार देखे जाते हैं?..... 32
प्रभाव..... 32
TOPIC : TULIP – URBAN LEARNING INTERNSHIP PROGRAM..... 32
TULIP परियोजना क्या है?..... 32

TULIP परियोजना के लाभ....32
TOPIC : SWADES: SKILL MAPPING EXERCISE FOR RETURNING CITIZENS....33
स्वदेस योजना क्या है?....33
चिंता का विषय....33
TOPIC : GLOBAL VACCINE SUMMIT....33
मुख्य तथ्य....33
GAVI: वैक्सीन एलायंस....34
TOPIC : MUTUAL LOGISTICS SUPPORT AGREEMENT (MLSA)....34
पारस्परिक लॉजिस्टिक सहयोग समझौता (MUTUAL LOGISTICS SUPPORT AGREEMENT)....34
भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा संबंध....34
TOPIC : UNMANNED AIRCRAFT SYSTEM (UAS) RULES OF 2020....35
'मानव रहित विमान प्रणाली नियम, 2020 का प्रारूप....35
ड्रोन क्या है?....35
ड्रोन के प्रकार....35
TOPIC : COOPERATIVE SECURITY IN PERSIAN GULF LITTORAL....36
फारस की खाड़ी....36
खाड़ी देश और भारत के बीच सम्बन्ध....36
भारत की तेल पर निर्भरता....36
TOPIC : TABLIGHI ACTIVITY NOW A SPECIFIC VISA VIOLATION....36
संशोधन में क्या है?....36
मामला क्या है?....37
तब्लीगी जमात क्या है?....37
TOPIC : SIXTH MASS EXTINCTION....37
व्यापक विलोपन किसे कहते हैं?....37
शोधकर्ताओं का मंतव्य....37
TOPIC : CHINA ISSUES WHITE PAPER ON COVID-19 FIGHT....38
स्वयं को निर्दोष साबित करने हेतु चीन का तर्क....38
अभी की स्थिति....38
TOPIC : IHBT, HIMACHAL GOVT JOIN HANDS TO INCREASE HEENG, SAFFRON PRODUCTION IN COUNTRY....38
संभावित लाभ....39
टिश्यू कल्चर तकनीक क्या है?....39
TOPIC : KRISHNA AND GODAVARI WATER UTILISATION....39
कृष्णा नदी जल विवाद....40
आंध्र प्रदेश की माँग क्या है?....40
कर्नाटक और महाराष्ट्र का पक्ष....40
कृष्णा नदी....40
TOPIC : INDIA IS ALL SET TO BE UNSC'S NON-PERMANENT MEMBER....40
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् क्या है?....40
कार्य....41
संरचना....41
TOPIC : SIKKIM-TIBET CONVENTION OF 1890....41
मुख्य तथ्य....41
1890 का सिक्किम-तिब्बत संधि....41
वर्ष 1904 की संधि....41
वर्ष 1906 की संधि....42
TOPIC : PM MODI, TANZANIA PRESIDENT DISCUSS BILATERAL TIES....42
भारत और तंजानिया के बीच मुख्य मुद्दे....42
समुद्री सुरक्षा....42
ऊर्जा क्षेत्र....42
तंजानिया के विषय में जानकारी....42
TOPIC : SOCIAL BUBBLE....43
मुख्य तथ्य....43
होता क्या है 'सोशल बबल'?....43
सोशल बबल्स का लाभ....43
TOPIC : GENETICALLY MODIFIED-GM....43
आंदोलन का कारण....44
GM फसल क्या है?....44
GM फसल की चाहत क्यों?....44

GM फसल का विरोध क्यों? 44
भारत में जीन संवर्द्धित फसलों की वैधानिक कानूनी स्थिति 44
जुर्माने का प्रावधान 44
किसान जीएम फसलों को क्यों महत्त्व दे रहे हैं? 44
TOPIC : ATHIRAPPALLY HYDEL POWER 45
प्रमुख बिंदु 45
'अथिरापल्ली जल विद्युत' परियोजना 45
चालक्कुडी नदी (CHALAKUDY RIVER) 45
TOPIC : ADJUSTED GROSS REVENUE DISPUTE 45
न्यायालय ने क्या कहा? 45
सरकार का पक्ष 46
समंजित समग्र राजस्व क्या है? 46
AGR की गणना कैसे होती है? 46
TOPIC : RYTHU BANDHU SCHEME 46
TOPIC : SC TURNS DOWN REQUEST TO STAY GOVT NOTIFICATION SUSPENDING FEMALE FOETICIDE RULES 46
विवाद का कारण 47
कृष्णा नदी 47
गोदावरी नदी 47
TOPIC : UNIVERSAL BASIC INCOME 47
TOPIC : AMOEBIASIS OR AMOEBIC DYSENTERY 48
TOPIC : SCRAPPING OF ARTICLE 370 AND LAC TENSIONS 49
TOPIC : SUPPLYING WASHED COAL 49
पृष्ठभूमि 50
कोयले की अनिवार्य धुलाई हेतु तर्क 50
TOPIC : INTERNATIONAL CRIMINAL COURT (ICC) 50
इस प्रतिबंध से क्या प्रभाव पड़ेगा? 50
प्रतिबंध का कारण 50
अमेरिका के निर्णय की आलोचना 50
ICC क्या है? 51
न्यायालय का स्वरूप और मतदान की शक्ति 51
TOPIC : SIPRI REPORT ON INDIA CHINA NUCLEAR WEAPONS 51
SIPRI REPORT 2020 के मुख्य तथ्य 51
SIPRI 52
TOPIC : RAPID ANTIGEN TEST 52
रैपिड एंटीजन डिटेक्शन जाँच क्या है? 52
रैपिड एंटीजन डिटेक्शन जाँच, आरटी-पीसीआर जाँच से किस प्रकार अलग है? 52
रैपिड एंटीजन डिटेक्शन जाँच के परिणामों की सीमाएँ 52
TOPIC : VACCINE NATIONALISM 53
यह किस प्रकार कार्य करता है? 53
क्या यह एक नई अवधारणा है? 53
TOPIC : ADIP SCHEME 53
कार्यान्वयन एजेंसी 53
अर्हता 53
ALIMCO 53
TOPIC : UNHCR GLOBAL TRENDS REPORT 54
प्रमुख बिंदु 54
शरणार्थी कौन कहलाते हैं? 54
पलायन का इतिहास 54
भारत में शरणार्थी से सम्बंधित कानून 55
संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त 55
TOPIC : CIVIL SERVICES BOARD 55
मुख्य तथ्य 55
पृष्ठभूमि 55
सिविल सेवा बोर्ड क्या है? 55
सिविल सेवा बोर्ड के कार्य 55
गठन 55
TOPIC : WHY BANNING TRADE WITH CHINA WILL HURT INDIA MORE? 56
प्रमुख क्षेत्रों में चीन की भागीदारी 56
'चीनी वस्तुओं का बाहिष्कार' क्या संभव हो सकता है? 56
चीनी उत्पाद सस्ते क्यों होते हैं? 56
भारत में 'चीनी उत्पादों का बहिष्कार' आंदोलन क्यों कठिन है? 56
TOPIC : CHHATTISGARH GOVERNMENT MAKE ROKA CHEKA 57

रोका–छेका पद्धति क्या है? 57
समस्याएँ 57
क्या किया जाना चाहिए? 57
TOPIC : RUSSIA-INDIA-CHINA (RIC) GROUPING 57
RIC क्या है? 58
RIC समूह का महत्त्व 58
भारत के लिए RIC का महत्व 58
TOPIC : RULE OF LAW INDEX 58
अन्य देशों का प्रदर्शन 58
'रूल ऑफ लॉ सूचकांक' क्या है? 58
TOPIC : UIGHUR RIGHTS BILL 59
चीन पर क्या आरोप है? 59
उइगर (UIGHURS) कौन हैं? 59
उइगरों के विद्रोह का कारण 59
चीन की चिंता 59
TOPIC : PRINCIPLE OF SECRET BALLOT 59
मतदान की गोपनीयता सर्वोच्च न्यायालय का व्यक्तव्य 60
सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय 60
जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार 'मतदान की गोपनीयता' 60
गुप्त मतदान प्रणाली 60
TOPIC : MADHESIS OPPOSE NEW NEPAL RULE 60
प्रस्तावित परिवर्तन 60
क्या भारत को बनाया जा रहा है निशाना? 61
TOPIC : SEC 309 IPC 61
भारतीय दंड संहिता की धारा 309 61
TOPIC : PRADHAN MANTRI MUDRA YOJANA 61
मुख्य बिंदु 62
ब्याज सब्सिडी योजना के मानदंड 62
मुद्रा योजना क्या है? 62
TOPIC : GLOBAL EDUCATION MONITORING (GEM) REPORT 62
GEM रिपोर्ट के कुछ मुख्य तथ्य 62
UNESCO क्या है? 63
TOPIC : GODHAN NYAY SCHEME 63
गोधन न्याय योजना के विषय में 63
गोधन न्याय योजना के लाभ 63
TOPIC : KALA AZAR 63
अतिरिक्त तथ्य 64
TOPIC : 5TH ANNIVERSARY OF URBAN MISSIONS .. 64
अटल मिशन फॉर रेजुवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत) 64
स्मार्ट सिटी मिशन 64
PMAY-URBAN क्या है? 65
किफायती किराया आवास परिसर (ARHC) योजना 65
TOPIC : KOHALA HYDROPOWER PROJECT 65
कोहला जलविद्युत् परियोजना 65
दियामर बाशा परियोजना क्या है? 65
CPEC 65
क्या है OBOR परियोजना? 66
क्या भारत के लिए यह चिंता की बात है? 66
TOPIC : NASHA MUKT BHARAT: ANNUAL ACTION PLAN (2020-21) FOR 272 MOST AFFECTED DISTRICTS E-LAUNCHED ON INTERNATIONAL DAY AGAINST DRUG ABUSE & ILLICIT TRAFFICKING 66
नशा मुक्त भारत : वार्षिक कार्य योजना (2020-21) 66
कार्य योजना का स्वरूप 66
नशा मुक्ति के लिए किये गये अन्य पहल 67
TOPIC : ASEAN'S 36TH SUMMIT 67
आसियान के 36वें शिखर सम्मेलन से सम्बंधित मुख्य बिंदु 67
आसियान क्या है? 67
भारत-आसियान संबंधों का इतिहास एवं क्रमिक विकास 68
भारत के लिए आसियान का महत्त्व 68
TOPIC : OECD 69
अध्ययन से जुड़े जरूरी तथ्य 69
आर्थिक सहयोग और विकास संगठन क्या है? 69
TOPIC : GOVT LAUNCHES PM FME SCHEME TO HELP MICRO FOOD PROCESSING ENTERPRISES 70
PM FME योजना के बारे में जानकारी 70
अन्य सूचनाएँ 70

TOPIC : UNESCO GLOBAL EDUCATION MONITORING REPORT 2020 70
वैश्विक शिक्षा अनुश्रवन प्रतिवेदन 70
यूनेस्को 71
TOPIC : PM SVANIDHI 71
पोर्टल से सम्बंधित अन्य तथ्य 71
PM SVANIDHI योजना के लाभार्थी कौन होंगे? 72
पीएम स्वनिधि योजना के बारे में मुख्य तथ्य 72
TOPIC : OFFICE OF PROFIT 72
लाभ का पद क्या है? 72
लाभ के पदों पर संयुक्त समिति 72
नियोंग्यता के पक्ष में तर्क 73
GS PAPER 3 73
TOPIC : LOCUST CONTROL 73
इनसे कौन-से देश प्रभावित हो रहे हैं? 73
इन हॉटस्पॉट में स्थिति अभी क्या है? 73
टिड्डी क्या होते हैं? 74
टिड्डे कैसे क्षति पहुँचाते हैं? 74
टिड्डी नियंत्रण के उपाय 74
TOPIC : DISASTER MANAGEMENT ACT 74
कोरोना महामारी को लेकर आपदा प्रबंधन अधिनियम की प्रासंगिकता 74
आपदा प्रबन्धन अधिनियम, 2005 75
चुनौतियाँ 75
समय पर चेतवानी के उपाय 75
TOPIC : WHY MOODY'S DOWNGRADED INDIA'S RATING? 75
निहितार्थ 75
रेटिंग में गिरावट क्यों आई? 75
'नकारात्मक' दृष्टिकोण से क्या तात्पर्य है? 75
आर्थिक विकास, नौकरियों और प्रति व्यक्ति आय पर मूडी का दृष्टिकोण क्या है? 76
मूडीज क्या है? 76
TOPIC : NPCI DENIES BREACH OF BHIM APP DATA . 76
TOPIC : THE FARMING PRODUCE TRADE AND COMMERCE (PROMOTION AND FACILITATION) ORDINANCE, 2020 77
"कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश 2020" के मुख्य तथ्य 77
"मूल्य आश्वासन पर किसान समझौता (अधिकार प्रदान करना और सुरक्षा) और कृषि सेवा अध्यादेश 2020" के मुख्य तथ्य 77
TOPIC : WORLD ENVIRONMENT DAY 77
विश्व पर्यावरण दिवस 77
इस दिवस का महत्त्व 78
TOPIC : NAGAR VAN SCHEME 78
नगर वन योजना क्या है? 78
नगर वानिकी की आवश्यकता क्यों? 78
जैव विविधता का संरक्षण आवश्यक क्यों? 78
TOPIC : LIDAR- LIGHT DETECTION AND RANGING 78
LIDAR क्या है? 78
यह कैसे काम करता है? 78
TOPIC : ENVIRONMENTAL PERFORMANCE INDEX 79
सूचकांक में विश्व का प्रदर्शन 79
सूचकांक में भारत का प्रदर्शन 79
पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक के विषय में 80
TOPIC : PAYMENTS INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT FUND 80
भुगतान अवसंरचना विकास कोष का उद्देश्य 80
कोष में अंशदान 80
कोष का प्रबंधन 80
भुगतान अवसंरचना विकास कोष का माहात्म्य 80
TOPIC : OIL SPILL IN RUSSIA'S ARCTIC REGION 80
कैसे हुआ यह रिसाव? 80
चिंता का विषय 81
अंबरनाया नदी 81
TOPIC : DIRECT SEEDING OF RICE 81
प्रत्यक्ष धान बीजारोपण (DSR) तकनीक क्या है? 81
प्रत्यक्ष धान बीजारोपण (DSR) के लाभ 81
प्रत्यक्ष धान बीजारोपण की कमियाँ 81

TOPIC : SHAPES OF ECONOMIC RECOVERY.....82
भारत में आर्थिक पुनरुत्थान (ECONOMIC RECOVERY) की आदर्श आकृति क्या होनी चाहिए?.....82
आर्थिक पुनरुत्थान की आकृतियाँ कौन-कौन सी होती हैं?.....82
आर्थिक पुनरुत्थान का आकार किन कारकों पर निर्भर है? 82
TOPIC : KERALA GOVERNMENT GIVES GO-AHEAD TO ATHIRAPPALLY HYDEL POWER PROJECT 83
'अथिरापल्ली जल विद्युत' परियोजना.....83
चालक्कुडी नदी (CHALAKUDY RIVER).....83
TOPIC : RIGHTS ISSUE 83
राइट्स इश्यू (RIGHTS ISSUE) क्या है?.....83
कंपनियां वर्तमान में राइट्स इश्यू का उपयोग क्यों कर रही हैं?.....84
कोविड –19 के मद्देनजर सेबी (SEBI) द्वारा कौन सी अस्थायी छूटें प्रदान की गई हैं?.....84
TOPIC : RBI PROPOSES COMPREHENSIVE FRAMEWORK FOR SALE OF LOANS.....84
ऋण बिक्री क्या हैं?.....84
ड्राफ्ट की मुख्य विशेषताएं 84
प्रासंगिकता.....84
इन दिशानिर्देशों का महत्त्व.....84
TOPIC : CARBON NANOLUBE (CNTS) 85
कार्बन नैनोल्यूब क्या है?.....85
कार्बन फाइबर से अंतर.....85
कार्बन नैनोट्यूब के उपयोग.....85
TOPIC : NATURE INDEX 2020.....85
प्रकृति सूचकांक क्या है? 85
प्रकृति सूचकांक मैट्रिक्स 86
भारतीय संस्थानों का प्रदर्शन.....86
वैश्विक संस्थाएँ.....86
TOPIC : CENSUS OF ASIATIC LION 86
भारत में एशियाई सिंह की गणना.....86
महत्त्वपूर्ण आँकड़े 86
एशियाई सिंह.....86
संख्या में लगातार वृद्धि के प्रमुख कारक.....86
TOPIC : SAHAKAR MITRA SCHEME LAUNCHED 87
TOPIC : PRADHAN MANTRI KRISHI SINCHAYEE YOJANA 87
TOPIC : GLOBAL PARTNERSHIP ON ARTIFICIAL INTELLIGENCE (GPAI) 88
GPAI क्या है? 88
संस्थापक सदस्य 88
कार्यप्रणाली 89
भारत के लिए महत्त्व..... 89
TOPIC : INDIAN GAS EXCHANGE (IGX)..... 89
IGX क्या है और उसके लाभ..... 89
क्या घरेलू उत्पादित प्राकृतिक गैस भी एक्सचेंज में खरीदी और बेची जाएगी? 89
लाभ..... 89
प्राकृतिक गैस क्या है? 89
प्रमुख बिंदु 90
परमाणु समझौता, 2015..... 90
IAEA क्या है? 90
TOPIC : JAL JEEVAN MISSION..... 90
माहात्म्य 90
जल जीवन अभियान क्या है?..... 90
अभियान के लाभ..... 91
TOPIC : HOUSING FINANCE COMPANIES 91
प्रस्तावित मानदंड..... 91
अर्हक परिसंपत्ति (QUALIFYING ASSETS) क्या हैं?..... 91
विनियामक निरीक्षण..... 91
TOPIC : INDIA CHINA GALWAN VALLEY STANDOFF 91
गलवान घाटी की भौगोलिक स्थिति..... 92
इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने का कारण..... 92
संक्षिप्त इतिहास..... 92
TOPIC : CISH INITIATES PROCESS FOR GI TAG FOR BANARSI LANGRHA, CHAUSA MANGOES..... 92
GI TAG प्राप्त होने से क्या हो जाएगा?..... 92
भौगोलिक संकेतक पंजीयक 93

TOPIC : DEVELOPING ASIA TO "BARELY GROW" IN 2020; INDIA'S GDP TO CONTRACT BY 4% THIS FISCAL: ADB 93
मुख्य बिंदु 93
इस संकुचन के पीछे कारण 93
अन्य एशियाई क्षेत्रों की स्थिति 93
एशियाई विकास बैंक के बारे में 94
TOPIC : PROTEIN 'SPIKE' THAT LETS NOVEL CORONAVIRUS PIERCE, INVADE HUMAN CELLS 94
पेप्टाइड क्या है? 94
पेप्टाइड कैसे कर सकता है कोरोना वायरस को खत्म? 94
कैसे करता है कोविड-19 मानव शरीर पर हमला? 94
चुनौतियाँ 94
TOPIC : MINIMUM SELLING PRICE- MSP 95
मुख्य बिंदु 95
न्यूनतम विक्रय मूल्य 95
न्यूनतम समर्थन मूल्य 95
TOPIC : INTERNATIONAL COMPARISON PROGRAM– ICP 95
क्रय शक्ति समता (PPP) 96
विश्व सांख्यिकी दिवस 96
ICP क्या है? 96
अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक कार्यक्रम का उद्देश्य 96
मूल्य स्तर सूचकांक 96
वैश्विक स्थिति 96
वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति 96
एशिया-प्रशांत क्षेत्र में स्थिति 96
एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति 97
TOPIC : COUNTRY OF ORIGIN IN GEM PLATFORM . 97
क्या-क्या परिवर्तन किये गये? 97
GEM क्या है? 97
GEM से फायदे 97
GEM पोर्टल में आने वाली दिक्कतें 97
TOPIC : EBLOOD SERVICES APP 98
ऐप से संबन्धित जानकारी 98
रेड क्रॉस सोसाइटी 98
TOPIC : INDIAN NAVY INDUCTS INDIGENOUSLY DEVELOPED ANTI-TORPEDO DECOY SYSTEM MAAREECH 98
मारीच के विषय में जानकारी 98
लाभ 99
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 99
रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) 99
TOPIC : URBAN, MULTI-STATE COOPERATIVE BANKS TO COME UNDER RBI SUPERVISION 99
इन बैंकों को पहले कैसे विनियमित किया जाता था? 99
इसकी आवश्यकता क्या थी? 99
निहितार्थ 99
TOPIC : ENVIRONMENT IMPACT ASSESSMENT – EIA 100
प्रस्तावित प्रारूप में विवाद के प्रमुख तथ्य 100
EIA क्या है? 100
EIA के लाभ 101
EIA के उद्देश्य 101
TOPIC : NATIONAL STATISTICS DAY 101
राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस क्या है? 101
TOPIC : DEPARTMENT OF INVESTMENT AND PUBLIC ASSET MANAGEMENT (DIPAM) 101
विनिवेश से सम्बंधित अन्य जानकारी 102
निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (DIPAM) के विषय में जानकारी 102
विज़न और मिशन 102
TOPIC : THE 4M INTERNATIONAL LIQUID MIRROR TELESCOPE PROJECT 102
4 मीटर इंटरनेशनल लिक्विड मिरर टेलीस्कोप के बारे में 103
क्या है लिक्विड मिरर दूरबीन? 103
PRELIMS VISHESH 103

GS PAPER 1

GS Paper 1 Source : Indian Express

UPSC Syllabus : Indian culture will cover the salient aspects of Art Forms, Literature and Architecture from ancient to modern times.

TOPIC : WHO WAS CHAOLUNG SUKAPHA?

संदर्भ

असम के मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने राजनीतिक टिप्पणीकार गर्ग चटर्जी को कथित तौर पर भड़काऊ टिप्पणी करने के लिए पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर असम लाने का आदेश दे दिया.

विदित हो कि चटर्जी ने पहले **अहोम राजा स्वर्गदेव चालूंग सुकफा** के विरुद्ध कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिसके लिए सोनोवाल ने गुवाहाटी पुलिस को आदेश दिया कि तत्काल पश्चिम बंगाल जाकर चटर्जी को गिरफ्तार किया जाए.

कौन थे चालूंग सुकफा?

- सुकफा 13 वीं शताब्दी के महान् शासक थे जिन्होंने **अहोम साम्राज्य** की नींव रखी थी. अहोम साम्राज्य ने असम पर 6 सदियों तक राज किया. तत्कालीन विद्वानों की मानें तो सुकफा का संबंध बर्मा से था. सुकफा 13वीं सदी में बर्मा के ऊपरी क्षेत्र से असम में मौजूद ब्रह्मपुत्र की घाटी में अपने 9000 नुमाइंदों के साथ पहुँचे थे .
- वर्तमान समय में असम में सुकफा को महत्ता देने का सबसे बड़ा कारण है उनके द्वारा यहाँ के समुदाय और मौजूद जनजातियों को एकीकृत करने के लिए किया गया सराहनीय प्रयास. सुकफा को असम में बोर असम या वृहत असम के निर्माता के तौर पर विशेष रूप से मान्यता दी जाती है.

कौन थे अहोम?

- ताई जाति के लोग जो बर्मा (वर्तमान में म्यांमार) के उत्तरी क्षेत्र में रहते थे, उन्हें ही अहोम कहा जाता था.
- ताई राजकुमार चालूंग सुकाफा के नेतृत्व में अहोम ने ब्रह्मपुत्र घाटी में हमला करके यहाँ अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया.
- इस तरह से **1228 ई.** में असम के क्षेत्र में अहोम साम्राज्य की स्थापना हो गई.
- इस दौरान पश्चिमोत्तर दिशा से लगातार असम पर मुस्लिम आक्रमणकारियों के भी हमले हो रहे थे.
- शनैः शनैः अहोम साम्राज्य का विस्तार होना प्रारम्भ हो गया और कामरूप, लखीमपुर, शिवसागर, नवगांव और दारांग तक में अहोम साम्राज्य ने अपने पाँव पसार लिये.

GS Paper 1 Source : Indian Express

UPSC Syllabus : The Freedom Struggle – its various stages and important contributors /contributions from different parts of the country.

TOPIC : VARIYAMKUNNATH KUNJAHAMMED HAJI

संदर्भ

वर्ष 2021 में 1921 के **मालाबार / मोपला विद्रोह** की 100 वीं वर्षगांठ मनाई जायेगी. केरल के मालाबार क्षेत्र में अंग्रेजों के विरुद्ध वरियामकुननाथ **वरियमकुन्नथ कुंजअहमद हाजी** ने मोपला का नेतृत्व किया था.

वरियमकुन्नथ कुंजअहमद हाजी कौन था?

1. वरियमकुन्नथ कुंजअहमद हाजी (1870 में जन्म) केरल के मालाबार क्षेत्र का एक व्यक्ति था जिसने 20वीं शताब्दी के प्रारम्भ में ब्रिटिश शासन का विरोध किया और कुछ समय के लिए अपना राज भी स्थापित कर लिया था.
2. हाजी में यह विद्रोह भाव इसलिए आया था कि ब्रिटिश शासन के विरुद्ध विद्रोह में भागी होने के लिए उसके बाप मोइद्दीनकुट्टी हाजी को काला पानी की सजा मिली थी. आगे चलकर जब **खिलाफत आन्दोलन** चला तो उस समय केरल के खिलाफत नेता **अलीमुसलियार** को बंदी बना लिया गया और एक मस्जिद कथित रूप से लूटी गई.

मोपला विद्रोह

मोपला विदेशी शासन, हिन्दू जमींदारों और साहूकारों से पीड़ित थे. अपनी दु:खद स्थिति से लाचार होकर 19-20वीं शताब्दी में मोपलाओं ने बार-बार विरोध और आक्रोश प्रकट किया. 1857 के पूर्व मोपलाओं के करीब 22 आन्दोलन हुए. 1882-85, 1896 और बाद में 1921 में भी मोपला विद्रोह (Moplah Rebellion) हुआ. 1870 में सरकार ने मालाबार में मोपलाओं द्वारा बार-बार विरोध की विवेचना करने के लिए एक समिति का निर्माण किया. इस समिति के रिपोर्ट में कुछ बातें सामने आईं कि इन विरोधों का कारण किसानों को जमीन से बेदखल किया जाना, लगान में मनमाने ढंग से वृद्धि किया जाना आदि हैं.

विद्रोह की प्रकृति

मोपला के किसानों का आन्दोलन हिंसात्मक था. मोपलाओं ने जमींदारों के घरों में धावा बोला, धन लूटे और हत्या की. मंदिरों की भी संपत्ति लूटी गई. साहूकारों को भी मौत के घाट उतारा गया. पूरे मालाबार में अशांति फ़ैल गई. सरकार ने अपनी तरफ से मोपला विद्रोह (Moplah Rebellion) को नियंत्रित करने के लिए बल का भी प्रयोग किया. पर मोपला किसी से नहीं डरे. उनके मन में यह भावना थी कि इस आन्दोलन में वे मर नहीं रहे बल्कि शहीद हो रहे हैं और उन्हें इस काम के लिए जन्नत मिलेगी.

विद्रोह का अंत

सरकार ने बलपूर्वक मोपला विद्रोह को दबा दिया. इस विद्रोह में संगठनात्मक कमजोरियाँ थीं. यह विद्रोह लम्बे समय तक के लिए टिक नहीं पाया. मोपलाओं को अपने आन्दोलन में कुछ बड़े किसानों का भी सहयोग मिला. जो मोपला विद्रोह (Moplah Rebellion) 1921 में हुआ वह बहुत ही व्यापक था. इस विद्रोह को दबाने के लिए तो सरकार को सेना की मदद लेनी पड़ी थी.

GS Paper 1 Source : Indian Express

UPSC Syllabus : History of the world will include events from 18th century such as industrial revolution, world wars, redrawing of national boundaries, colonization, decolonization, political philosophies like communism, capitalism, socialism etc.- their forms and effect on the society.

TOPIC : WHAT IS VICTORY DAY?

संदर्भ

भारतीय रक्षा मंत्री हाल ही में रूस की राजधानी मॉस्को में आयोजित 75वीं **विजय दिवस** परेड में शामिल हुए. दूसरे विश्व युद्ध में नाजियों पर जीत की याद में ये परेड होती है. इस परेड में भारत की टुकड़ी शामिल हुई. विदित हो कि द्वितीय विश्व युद्ध में 87 हजार भारतीय सैनिक शहीद हुये थे जबकि 34,354 घायल हुये थे.

विजय दिवस के बारे में

- हर साल 9 मई को *रूस विजय दिवस* मनाता है और द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को याद करता है.
- विजय दिवस द्वितीय विश्व युद्ध के अंत और 1945 में मित्र देशों की जीत का प्रतीक है.
- जर्मनी के चांसलर और नाजी पार्टी के प्रमुख एडोल्फ हिटलर ने 30 अप्रैल को खुद को गोली मार ली थी. इसके बाद सात मई को जर्मन सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था. जिसे अगले दिन औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया, जो नौ मई से प्रभाव में आया.
- हालांकि अधिकांश यूरोपीय देशों में इसे **8 मई** को मनाया जाता है.

रूस में विजय दिवस 9 मई को क्यों मनाया जाता है?

- साल 7 मई 1945 को मित्र देशों की सेना के सामने नाज़ियों ने अपने हथियार डाल दिए और बिना शर्त समर्पण कर दिया.
- समर्पण की शर्तों पर बर्लिन के नज़दीक 8 मई रात को 43 बजे हस्ताक्षर किए गए. हस्ताक्षर के वक्त रूस में समय था 9 मई के 0.43 बजे का.
- इस कारण साल 1945 के बाद से हर साल यूरोप के कई देश 8 मई को अपना विक्टरी डे मनाते हैं, जबकि रूस ने 9 मई को विक्टरी डे परेड का आयोजन करने का फ़ैसला किया.
- समर्पण की शर्तों पर हस्ताक्षर से पहले स्टालिन ने 9 मई को विजय दिवस मनाने के निर्णय किया था.

GS Paper 1 Source : PIB

UPSC Syllabus : Important Geophysical phenomena such as earthquakes, Tsunami, Volcanic activity, cyclone etc.

TOPIC : CYCLONIC STORM 'NISARGA'

संदर्भ

अरब सागर से उठा चक्रवाती तूफान **निसर्ग** दो हफ्ते से भी कम समय के भीतर भारत में आया दूसरा चक्रवाती तूफान है.

तूफान को निसर्ग नाम किसने दिया?

इस तूफान का निसर्ग नाम बांग्लादेश ने दिया. अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बनने वाले तूफानों के नाम बांग्लादेश, भारत, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड देते हैं. भारतीय मौसम विभाग ने अप्रैल 2020 में चक्रवातों की नई सूची जारी की थी. इसमें निसर्ग, अर्णब, आग, व्योम, अजार, तेज, गति, पिंकू और लूलू जैसे 160 नाम शामिल हैं. पिछली लिस्ट का आखिरी नाम अम्फान था. यह नाम थाईलैंड ने दिया था.

तूफानों के नाम कौन रखता है?

- यह जानना भी दिलचस्प है कि तबाही मचाने के लिए कुख्यात इन तूफानों का नाम कैसे रखा जाता है. बीबीसी के मुताबिक 1953 से अमेरिका के मायामी स्थित नेशनल हरीकेन सेंटर और वर्ल्ड मेटीरियोलॉजिकल ऑर्गनाइज़ेशन (डब्लूएमओ) की अगुवाई वाला एक पैनल तूफ़ानों और उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नाम रखता था. डब्लूएमओ संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी है. हालांकि पहले उत्तरी हिंद महासागर में उठने वाले चक्रवातों का कोई नाम नहीं रखा जाता था. जानकारों के मुताबिक इसकी वजह यह थी कि सांस्कृतिक विविधता वाले इस क्षेत्र में ऐसा करते हुए बेहद सावधानी की जरूरत थी ताकि लोगों की भावनाएं आहत होने से कोई विवाद खड़ा न हो जाए.
- 2004 में डब्लूएमओ की अगुवाई वाले अंतर्राष्ट्रीय पैनल को भंग कर दिया गया. इसके बाद संबंधित देशों से अपने-अपने क्षेत्रों में आने वाले चक्रवातों का नाम ख़ुद रखने के लिए कहा गया. कुछ साल तक ऐसा किये जाने के बाद इसी साल हिंद महासागर क्षेत्र के आठ देशों ने भारत की पहल पर चक्रवाती तूफानों को नाम देने की एक औपचारिक व्यवस्था शुरू की है. इन देशों में भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान, म्यांमार, मालदीव, श्रीलंका, ओमान और थाईलैंड शामिल हैं. इन सभी देशों ने मिलकर तूफानों के लिए 64 नामों की एक सूची बनाई है. इनमें हर देश की तरफ से आठ नाम दिये गये हैं. इस नई व्यवस्था में चक्रवात विशेषज्ञों के एक पैनल को हर साल मिलना है और जरूरत पड़ने पर सूची में और नाम जोड़े जाने हैं.

नाम को लेकर भी होता है हमेशा विवाद

सदस्य देशों के लोग भी तूफानों के लिए नाम सुझा सकते हैं. जैसे भारत सरकार इस शर्त पर इन नामों के लिए लोगों से सलाह मांगती है कि वे छोटे, समझ में आने लायक और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और भड़काऊ न हों. 'निसर्ग' नाम बांग्लादेश ने सुझाया है जिसका अर्थ है प्रकृति. 'अम्फान' का नामकरण थाईलैंड ने किया था जिसका शाब्दिक अर्थ है आकाश. वहीं बीते साल आए तूफान 'फानी' को यह नाम बांग्लादेश ने दिया था. वैसे बांग्ला में इसका उच्चारण फोनी होता है और इसका मतलब है सांप.

इतनी सावधानी के बावजूद विवाद भी हो ही जाते हैं. जैसे साल 2013 में 'महासेन' तूफान को लेकर आपत्ति जताई गई थी. श्रीलंका द्वारा रखे गए इस नाम पर इसी देश के कुछ वर्गों और अधिकारियों को ऐतराज था. उनके मुताबिक राजा महासेन श्रीलंका में शांति और समृद्धि लाए थे, इसलिए आपदा का नाम उनके नाम पर रखना गलत है. इसके बाद इस तूफान का नाम बदलकर 'वियारु' कर दिया गया.

चक्रवात की परिभाषा

चक्रवात निम्न वायुदाब के केंद्र होते हैं, जिनके चारों तरफ केन्द्र की ओर जाने वाली समवायुदाब रेखाएँ विस्तृत होती हैं. केंद्र से बाहर की ओर वायुदाब बढ़ता जाता है. फलतः परिधि से केंद्र की ओर हवाएँ चलने लगती है. चक्रवात (Cyclone) में हवाओं की दिशा उत्तरी गोलार्द्ध में घड़ी की सुई के विपरीत तथा दक्षिण गोलार्द्ध में अनुकूल होती है. इनका आकर प्रायः अंडाकार या U अक्षर के समान होता है. आज हम चक्रवात के विषय में जानकारी आपसे साझा करेंगे और इसके कारण, प्रकार और प्रभाव की भी चर्चा करेंगे. स्थिति के आधार पर चक्रवातों को दो वर्गों में विभक्त किया जाता है –

1. उष्ण कटिबंधीय चक्रवात (Tropical Cyclones)
2. शीतोष्ण चक्रवात (Temperate Cyclones)

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात (TROPICAL CYCLONES)

उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों को कैरबियन सागर में हरिकेन, पूर्वी चीन सागर में टायफून, फिलीपिंस में "बैगयू", जापान में "टायसू", ऑस्ट्रेलिया में "विलिबिलि" तथा हिन्द महासागर में "चक्रवात" और "साइक्लोन" के नाम से जाना जाता है.

उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की अधिकतम बारंबारता पूर्वी चीन सागर में मिलती है और इसके बाद कैरिबियन, हिन्द महासागर और फिलीपिन्स उसी क्रम में आते हैं. उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों के प्रमुख क्षेत्र निम्न्वित हैं –

1. **उत्तरी अटलांटिक महासागर**– वर्ड अंतरीप का क्षेत्र, कैरबियन सागर, मैक्सिको की खाड़ी, पश्चिमी द्वीप समूह.
2. **प्रशांत महासागर**– दक्षिणी चीन, जापान, फिलीपिन्स, कोरिया एवं वियतनाम के तटीय क्षेत्र, ऑस्ट्रेलिया, मैक्सिको तथा मध्य अमेरिका का पश्चिमी तटीय क्षेत्र.
3. **हिन्द महासागर**– बंगाल की खाड़ी, अरब सागर, मॉरिसस, मेडागास्कर एवं रियूनियन द्वीपों के क्षेत्र.

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात की विशेषताएँ

1. इनका व्यास 80 से 300 किमी. होता है. कभी-कभी इनका व्यास 50 किमी. से भी कम होता है.
2. इसकी औसत गति 28-32 किमी. प्रतिघंटा होती है, मगर हरिकेन और टायफून 120 किमी. प्रतिघंटा से भी अधिक गति से चलते हैं.
3. इनकी गति स्थल की अपेक्षा सागरों पर अधिक तेज होती है.
4. सामान्यतः व्यापारिक हवाओं के साथ पूर्व से पश्चिम की ओर गति करते हैं.
5. इसमें अनेक वाताग्र नहीं होते और न ही तापक्रम सम्बन्धी विभिन्नता पाई जाती है.
6. कभी-कभी एक ही स्थान पर ठहरकर तीव्र वर्षा करते हैं.
7. समदाब रेखाएँ अल्पसंख्यक और वृताकार होती है.
8. केंद्र में न्यून वायुदाब होता है.
9. इनका विस्तार भूमध्य रेखा के 33 1/2 उत्तरी एवं दक्षिणी अक्षांशों तक होता है.

निर्माण संबंधी दशाएँ

1. एक विशाल गर्म सागर की उपस्थिति जिसके सतह का तापमान कम से कम 27°C हो.
2. सागर के उष्ण जल की गहराई कम से कम 200 मी. होनी चाहिए.
3. पृथ्वी का परिभ्रमण वेग उपर्युक्त स्थानों पर 0 से अधिक होनी चाहिए.
4. उच्चतम आद्रता की प्राप्ति.
5. उच्च वायुमंडलीय अपसरण घटातलीय अपसरण से अधिक होनी चाहिए.
6. उध्वार्धर वायुप्रवाह (vertical wind flow) नहीं होनी चाहिए.
7. निम्न स्तरीय एवं उष्ण स्तरीय विक्षोभ की उपस्थति.

शीतोष्ण चक्रवात

शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवात को गर्त चक्र अथवा निम्न दाब क्षेत्र भी कहा जाता है. इनकी उत्पत्ति दोनों गोलार्धों में 30°C – 65°C अक्षांशों के बीच होती है. इन अक्षांशों के बीच उष्ण वायु राशियाँ एवं शीतल ध्रुवीय वायुराशियाँ जब मिलती है तो ध्रुवीय तरंगों के कारण गर्त चक्रों की उत्पति होती. इन चक्रवातों की उत्पत्ति के सन्दर्भ में वर्कनीम द्वारा ध्रुवीय सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया. इस सिद्धांत को तरंग सिद्धांत के नाम से भी जाना जाता है.

एशिया के उत्तर-पूर्वी तटीय भागों में उत्पन्न होकर उत्तर-पूर्व दिशा में भ्रमण करते हुए अल्युशियन व उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तटीय भागों पर प्रभाव डालते हैं. उत्तरी अमेरिका के उत्तर-पूर्वी तटीय भाग से उत्पन्न होकर ये चक्रवात पछुवा हवाओं के साथ पूर्व दिशा में यात्रा करते हैं, तथा पश्चिमी यूरोपीय देशों पर प्रभाव डालते हैं. शीत ऋतु में भूमध्य सागर पर शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवात सक्रीय हो जाते हैं.इसका प्रभाव दक्षिणी स्पेन, द.फ्रांस, इटली, बाल्कन प्रायद्वीप, टर्की, इराक, अफ़ग़ानिस्तान तथा उत्तर-पश्चिमी भारत पर होता है.

प्रमुख विशेषताएँ

1. इनमें दाबप्रवणता कम होती है, समदाब रेखाएँ V अकार की होती है.
2. जल तथा स्थल दोनों विकसित होते हैं एवं हज़ारों किमी. क्षेत्र पर इनका विस्तार होता है.
3. वायुवेग उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों से कम होती है.
4. अधिकतर शीत ऋतु में उत्पन्न होते हैं.
5. तीव्र बौछारों के साथ रुक-रुक कर वर्षा होती है, जो कई दिनों तक चलती रहती है.
6. शीत कटिबंधीय चक्रवातों के मार्ग को *झंझा पथ* कहा जाता है.
7. इसमें प्रायः दो वताग्र होते हैं एवं वायु की दिशा वताग्रों के अनुसार तेजी से बदल जाती है.

GS Paper 1 Source : Indian Express

UPSC Syllabus : Issues related to women.

TOPIC : SC TURNS DOWN REQUEST TO STAY GOVT NOTIFICATION SUSPENDING FEMALE FOETICIDE RULES

संदर्भ

COVID-19 महामारी के दौरान **कन्या भ्रूण हत्या** नियमों के निलंबन का मामला सुप्रीम कोर्ट (Supreme Court) पहुँचा है. इस दौरान कोर्ट ने **PC/PNDT अधिनियम** पर 4 अप्रैल की अधिसूचना पर रोक लगाने से इंकार कर दिया. SC ने कहा कि इस स्तर पर हस्तक्षेप करना संभव नहीं होगा. अभी एक राष्ट्रीय संकट है. अप्रैल की अधिसूचना में प्रयोगशालाओं, क्लीनिकों में पंजीकरण और पूर्व गर्भाधान, गर्भावस्था आदि से संबंधित रिकॉर्ड के रखरखाव के नियमों को निलंबित कर दिया है.

PC/PNDT अधिनियम से सम्बंधित तथ्य

गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान-तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम, 1994 ऐसा एक अधिनियम है जो कन्या भ्रूण हत्या और

भारत में गिरते लिंगानुपात को रोकने के लिये लागू किया गया था. इसमें निम्नलिखित प्रावधान हैं –

- गर्भाधान के पूर्व या बाद लिंग चयन तकनीक के उपयोग पर प्रतिबंध.
- लिंग चयनात्मक गर्भपात के लिए प्रसव पूर्व निदान तकनीकों के दुरूपयोग को रोकना.
- ऐसे तकनीकों को विनियमित करना.
- इस कानून के अंतर्गत, जिन सभी केन्द्रों के पास गर्भाधान पूर्व या प्रसव-पूर्व संभावित रूप से भ्रूण के लिंग का परीक्षण करने वाला कोई भी उपकरण है, तो उन्हें समुचित प्राधिकारियों के साथ पंजीकृत होना चाहिए.
- यह लिंग का पता लगाने या निर्धारित करने के लिए ऐसी तकनीकों के सम्बन्ध में विज्ञापनों को प्रतिबंधित करता है.
- परिसर को सील करना और साक्षियों को प्रवर्तन में लाने सहित विधि के उल्लंघनकर्ताओं की मशीनों, उपकरणों और अभिलेखों की तलाशी, जब्ती और सील करने के सम्बन्ध में समुचित प्राधिकारियों को **सिविल न्यायालय की शक्तियाँ** प्राप्त हैं.
- 2003 में लिंग चयन में समक्ष प्रौद्योगिकी के विनियमन में सुधार हेतु इसमें संशोधन किया गया था.
- **गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम, 1994** के अन्तर्गत गर्भाधारण पूर्व या बाद लिंग चयन और जन्म से पहले कन्या भ्रुण हत्या के लिए लिंग परीक्षण करना, इसके लिए सहयोग देना व विज्ञापन करना कानूनी अपराध है, जिसमें 3 से 5 वर्ष तक की जेल व 10 हजार से 1 लाख रू. तक का जुर्माना हो सकता है.

बाल लिंग अनुपात में गिरावट की रोकथाम के लिए की गयी पहल

- बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना
- सुकन्या समृद्धि योजना
- पूर्व गर्भाधान एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन का प्रतिषेध) अधिनियम, 1994
- आंध्र प्रदेश सरकार की गले चाइल्ड प्रोटेक्शन स्कीम
- हरियाणा सरकार द्वारा "आपकी बेटी, हमारी बेटी" योजना
- राजस्थान सरकार की आश्रय योजना
- तमिलनाडु सरकार की शिवगामी अम्मायार मेमोरियल कन्या संरक्षण योजना
- बिहार सरकार की मुख्य मंत्री कन्या सुरक्षा योजना

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

- आंगनवाड़ी केंद्रों में पहली तिमाही में गर्भधारण के पंजीकरण को बढ़ावा देना
- हितधारकों का प्रशिक्षण
- सामुदायिक सहयोग और संवेदीकरण
- जेंडर समर्थकों की भागीदारी
- संस्थानों को मान्यता और फ्रंटलाइन श्रमिकों को पुरस्कार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

- पूर्व गर्भधारण और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम (1994) के क्रियान्वयन का निरीक्षण
- संस्थागत प्रसव में वृद्धि करना
- जन्म का पंजीकरण

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

- बालिकाओं का सार्वभौम नामांकन
- विद्यालय छोड़ने की दर को कम करना
- विद्यालयों में कन्याओं के साथ अनुकूल व्यवहार का निर्धारण
- शिक्षा का अधिकार (RTE) का सशक्त कार्यान्वयन
- बालिकाओं के लिए कार्यात्मक शौचालय का निर्माण

GS Paper 1 Source : The Hindu

THE HINDU

UPSC Syllabus : Indian culture will cover the salient aspects of Art Forms, Literature and Architecture from ancient to modern times.

TOPIC : RAJA PARVA OF ODISHA

संदर्भ

ओडिशा में प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रज-पर्व मनाया जा रहा है. भूमा देवी और स्त्री मात्र को समर्पित यह पर्व मिथुन संक्राति के दिन पहले शुरू होकर अगले दो दिनों तक चलता है.

इस दिन लोग साल की पहली बारिश का जश्न मनाकर स्वागत करते हैं. इन **चार दिनों में** अच्छी बारिश और खेती के लिए धरती मां की पूजा की जाती है. इस पर्व में औरत, बड़े और बच्चे सभी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं.

राजा पर्व चार दिन के नाम

- पहले दिन को पहिली राजा कहते हैं
- दूसरे दिन को मिथुना संक्रांति कहा जाता है
- तीसरे दिन को दाहा कहा जाता है
- जबकि चौथे दिन को वसुमती स्नान कहते हैं

त्यौहार की मान्यता

इस पर्व को मनाने के पीछे की मान्यता है, कि भगवान विष्णु की पत्नी भूमा देवी (पृथ्वी) को 'रजस्वला' प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है. उनका मासिक धर्म तीन से चार दिनों तक का होता है.

इस पर्व के लिए घर की साफ-सफाई की जाती है. बाग-बगीचों में झूले लगाए जाते हैं. पहले तीन दिनों तक महिलाएं व्रत रखती हैं. इन दिनों में काट-छांट और जमीन की खुदाई नहीं की जाती है. इस मौके पर गीत-संगीत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. राजा पर्व के पहले दिन महिलाएं हल्दी लगाकर नहाती हैं. जबकि अगले दो दिन नहीं नहाती है. चौथे दिन फिर से हल्दी लगाकर नहाती हैं.

कृषि-संबंध

राज-पर्व को गर्मी के मौसम के अंत तथा मानसून के आगमन का संकेत भी माना जाता है. इस प्रकार, यह त्यौहार कृषि संबंधित समुदायों तथा अन्य कामों से भी जुड़ा हुआ है.

GS Paper 1 Source : The Hindu

THE HINDU

UPSC Syllabus : Indian culture will cover the salient aspects of Art Forms, Literature and Architecture from ancient to modern times.

TOPIC : TALAMADDALE

संदर्भ

COVID -19 महामारी के दौरान, यक्षगान रंगमंच की एक पारंपरिक कला 'ताल-मद्दले (Talamaddale)' का प्रदर्शन आभासी रूप से किया जाने लगा है. 13 जून को इस कला का सोशल मीडिया पर सजीव प्रसारण किया गया.

ताल-मद्दले क्या है?

- यह **कर्नाटक राज्य की नाट्य शैली** है.
- ताल मद्दले, में कलाकार द्वारा किसी भी वेशभूषा में मंच पर एक स्थान पर बैठ कर चुने गए कथानक के आधार पर अपनी वाक्कला का प्रदर्शन किया जाता है.
- **यक्षगान** प्रदर्शन के ठीक उलट, पारंपरिक ताल-मद्दले में, कलाकार कोई विशेष वेशभूषा धारण नहीं करते हैं, तथा प्रदर्शन के दौरान मंच पर एक स्थान पर बैठ कर चुने गए कथानक के आधार पर अपनी वाक्कला का प्रदर्शन करते हैं. यक्षगान प्रदर्शन तथा ताल-मद्दले में संगीत की समानता होती है. लेकिन, ताल-मद्दले में मात्र संवादों का प्रयोग होता है, जबकि यक्षगान प्रदर्शन के दौरान कलाकार विशिष्ट वेश-भूषा धारण करते हैं तथा नृत्य-अभिनय का प्रदर्शन करते हैं.
- कला का यह रूप दक्षिण भारत के कर्नाटक तथा केरल के करावली एवं मलनाड क्षेत्रों में प्रचलित है.

यक्षगान (YAKSHAGANA)

- यह एक कर्नाटक का प्रसिद्ध लोकनाट्य है जो **तटीय क्षेत्र में** किया जाता है.
- विदित हो कि यक्षगान कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में किया जाने वाला प्रसिद्ध लोकनाट्य है. यक्षगान का शाब्दिक अर्थ है – यक्ष के गीत.
- कर्नाटक में यक्षगान की परंपरा संभवतः 800 वर्ष पहले की मानी जाती है. यक्षगान भगवान गणेश की वंदना से प्रारम्भ होता है. इसके पश्चात् एक हास्य अभिनय प्रस्तुत किया जाता है.
- इसमें संगीत की अपनी शैली होती है जो भारतीय शास्त्रीय संगीत 'कर्नाटक' और 'हिंदुस्तानी' शैली दोनों से अलग है.
- यह संगीत, नृत्य, भाषण और वेशभूषा का एक समृद्ध कलात्मक मिश्रण है, इस कला में संगीत नाटक के साथ-साथ नैतिक शिक्षा और जन मनोरंजन जैसी विशेषताओं को भी महत्त्व दिया जाता है.
- यक्षगान की कई सामानांतर शैलियाँ हैं जिनकी प्रस्तुति आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में की जाती है.
- इसकी सबसे लोकप्रिय प्रस्तुतियाँ **महाभारत** (अर्थात् द्रौपदी स्वयंवर, सुभद्रा विवाह, अभिमन्यु वध, कर्ण-अर्जुन पद) और **रामायण** से (अर्थात् राजयभिषेक, लव-कुश युद्ध, बाली-सुग्रीव पद और पंचवटी) से प्रेरित हैं.
- **गोम्बेयेट्टा कठपुतली रंगमच/नाट्य** (Gombeyatta Puppet Theatre) यक्षगान का सबसे निकट अनुसरण करता है.

भारत में रंगमंच के अन्य महत्त्वपूर्ण रूप

- **नौटंकी (उत्तर प्रदेश)** जो अक्सर अपने विषयों के लिये फारसी साहित्य पर आधारित होता है.
- **तमाशा (महाराष्ट्र)**

- **भवाई (गुजरात)**
- **जात्रा (पश्चिम बंगाल)**
- **कूडियाट्टम, केरल** के सबसे पुराने पारंपरिक रंगमंच रूपों में से एक है, जो संस्कृत रंगमंच परंपराओं पर आधारित है
- **मुदियेट्टू, केरल** का पारंपरिक लोक रंगमंच
- **भाओना, (असम)**
- **माच (मध्य प्रदेश)**
- **भांड पाथेर, कश्मीर** का पारंपरिक रंगमंच

GS Paper 1 Source : The Hindu

THE HINDU

UPSC Syllabus : Salient features of indian society and diversity

TOPIC : AXONE

संदर्भ

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर के मानवविज्ञानी (Melbourne Anthropologist) ने पूर्वोत्तर भारत में खाद्य पदार्थ के रूप में प्रयोग किये जाने वाले **एक्सोन** (Axone) की प्रासंगिकता के विषय में बताया गया है.

एक्सोन क्या है?

- एक्सोन को पूर्वोत्तर भारत के अलग-अलग भागों में कई आदिवासी समुदायों द्वारा अलग-अलग नामों से पकाया, खाया और जाना जाता है.
- एक्सन को किण्वित सोयाबीन (Fermented Soyabean) के रूप में भी जाना जाता है.
- नगालैंड के कुछ भागों में इसे एक्सोन के नाम से जाना जाता है. इस किण्वित भोज्य पदार्थ को अकुनि (Akhuni) के नाम से भी जाना जाता है.
- इसकी प्रमुख विशेषता इसकी विशिष्ट गंध (Distinctive Smell) है, जिसे आदिवासी पहचान एवं संस्कृति के साथ जोड़कर देखा जाता है.
- इसका प्रयोग पूर्वी हिमालय क्षेत्र में किया जाता है.
- इसका प्रयोग मेघालय, मिज़ोरम, सिक्किम, मणिपुर के साथ-साथ अन्य दक्षिण, दक्षिण पूर्व और पूर्वी एशियाई देशों में अलग- अलग नामों के साथ किया जाता हैं. जिनमें नेपाल, भूटान, जापान, कोरिया, चीन, म्यांमार, वियतनाम एवं इंडोनेशिया इत्यादि देश सम्मिलित हैं .

एक्सोन का प्रयोग

- एक्सोन का उपयोग अचार और चटनी निर्मित करने के साथ-साथ सूअर के मांस, मछली, चिकन, बीफ इत्यादि की करी को स्वादिष्ट बनाने हेतु किया जाता है.
- इसका प्रयोग माँसाहारी के साथ-साथ शाकाहारी खाद्य पदार्थों में भी एक विशिष्ट स्वाद उत्पन्न करता है.
- एक्सोन का स्वाद जापानी मिसो जो कि जापानी रेस्तरां में प्रयोग किये जाना वाला एक खाद्य पदार्थ है, से काफी समानता रखता है.

GS Paper 1 Source : The Hindu

THE HINDU

UPSC Syllabus : Indian culture will cover the salient aspects of Art Forms, Literature and Architecture from ancient to modern times.

TOPIC : KEELADI EXCAVATIONS

संदर्भ

तमिलनाडु राज्य के पुरातत्त्व विभाग द्वारा तमिलनाडु के कीलादी संगमकालीन नगरीय बस्ती में छठे चरण की खुदाई की जा रही है और उसी दौरान वहां एक बच्चे के कंकाल के अवशेष मिले हैं. ऐसा प्रतीत होता है कि इस कंकाल को दो टेराकोटा कलशों के मध्य दफन किया गया था. विदित हो कि 'कीलादी' मदुरै से लगभग 13 किमी. दक्षिण-पूर्व में वैगई नदी के किनारे स्थित है.

अभी तक के खुदाई में कीलादी उत्खनन से निकले निष्कर्ष

1. कीलादी की खुदाई से साबित होता है कि तमिलनाडु में संगम युग में **वैगई नदी** के किनारे एक शहरी सभ्यता मौजूद थी.
2. उत्खनन में प्राप्त वस्तुएँ **लौह युग** (12वीं स्थाब्दी ई.पू. से 6ठी शताब्दी ई.पू.) और **प्रारम्भिक ऐतिहासिक काल** (छठी शताब्दी ई.पू से चौथी शताब्दी ई.पू) के बीच की खोई हुई कड़ियों और तत्पश्चात् हुई सांस्कृतिक प्रगतियों को समझने में सहायता पहुँचाती हैं.

3. उत्खनन में बर्तन पर तमिल ब्राह्मी लिपि लिखी हुई मिलती है जिससे पता चलता है कि छठी शताब्दी ई.पू. में साक्षरता का स्तर अच्छा था.
4. उत्खनन में कई पशुओं के कंकाल खंड मिले हैं जैसे गाय-बैल, भैंस, भेड़, बकरी, नील गाय, कृष्ण मृग, बनैला सूअर और मोर. इससे पता चलता है कि उस समय का समाज हेती करता था और पशुओं को पालता था.
5. उत्खनन में लम्बी दीवारें, पीटा हुआ फर्श, छत के खप्पर, बाँस में लगाई हुई लोहे की कीलें आदि मिली हैं जिससे संगम युग में जीवन के उच्च स्तर का पता चलता है.
6. उत्खनन में अन्य वस्तुएँ भी मिली हैं जिनका महत्त्व है. ये हैं – ईंटों के भवन, ईंट से सजाये हुए कुएँ, खप्पर, सोने के गहने, ताम्बे से बनी हुई वस्तुओं के टुकड़े, लोहे के औजार, मिट्टी से बने शतरंज की गोटियाँ, कान के बाले, तकुए, छोटी-छोटी मूर्तियाँ, काले और लाल बर्तन, कलाकृति वाले बर्तन, शीशे के मनके, अर्ध-मूल्यवान पत्थर आदि.
7. खनन स्थल पर या उसके निकट गुफाओं और चट्टानों के साथ-साथ मिट्टी के बर्तनों पर उत्कीर्ण आकृतियाँ मिलती हैं **जो सिन्धु घाटी सभ्यता** की आकृतियों से मेल खाती हैं.

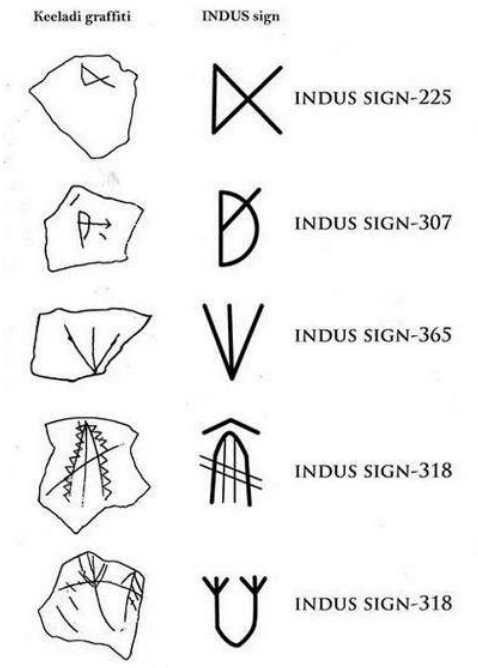

GS Paper 1 Source : The Hindu

THE HINDU

UPSC Syllabus : Geographic features and their status

TOPIC : SENKAKU ISLAND – DISPUTE BETWEEN CHINA AND JAPAN

संदर्भ

हाल ही में जापान की एक स्थानीय परिषद में चीन और ताइवान के साथ विवादित **सेनकाकू द्वीपीय क्षेत्र** में स्थित कुछ द्वीपों की प्रशासनिक स्थिति बदलने वाले विधेयक को स्वीकृति दी गई है.

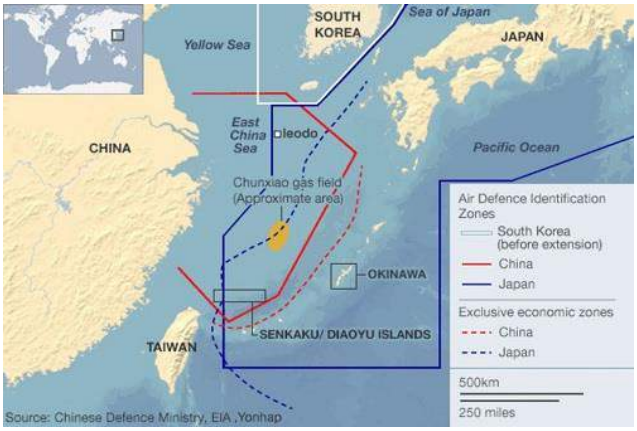

मामला क्या है?

- चीन और जापान दोनों ही इन निर्जन द्वीपों पर अपना दावा करते हैं. जिन्हें जापान में सेनकाकू और चीन में डियाओस (दियाओयू) के नाम से जाना जाता है. इन द्वीपों का प्रशासन 1972 से जापान के हाथों में है. लेकिन उनकी कानूनी स्थिति अब तक कुछ विवादित रही है.
- पूर्वी चीन सागर में मौजूद इस द्वीप पर ताइवान भी अपना दावा जताता रहा है. हालांकि द्वीप पर इस वक्त जापान का कब्जा है.
- वहीं, चीन का दावा है कि यह द्वीप उसके अधिकार क्षेत्र में आते हैं और जापान को अपना दावा छोड़ देना चाहिए.

सेनकाकू द्वीप

- इस विवाद का कारण पूर्वी चीन सागर में स्थित आठ निर्जन द्वीप हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 7 वर्ग किमी. है.
- यह ताइवान के उत्तर-पूर्व, चीनी मुख्य भूमि के पूर्व में और जापान के दक्षिण-पूर्व प्रांत, ओकिनावा के दक्षिण-पश्चिम में स्थित हैं.

विवादित क्षेत्र का आर्थिक महत्त्व

- तेल एवं प्राकृतिक गैस के भंडार
- प्रमुख जलयान मार्गों के पास स्थित
- समृद्ध मत्स्यन क्षेत्र

सेन फ्रांसिस्को संधि

जापान और अमेरिका में 1951 में सेन फ्रांसिस्को संधि है जिसके तहत जापान की रक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका की है. इस संधि में यह भी बात लिखी है कि जापान पर हमला अमेरिका पर हमला माना जाएगा. इस कारण अगर चीन कभी भी जापान पर हमला करता है तो अमेरिका को इनके बीच आना पड़ेगा.

GS Paper 1 Source : The Hindu

THE HINDU

UPSC Syllabus : Modern Indian history from about the middle of the eighteenth century until the present-significant events, personalities, issues.

TOPIC : PUNE NGO AIMS TO REVIVE SPIRIT OF 'LAL-BAL-PAL'

संदर्भ

पुणे स्थित "सरहद" नामक एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की 100वीं पुण्य तिथि के अवसर पर साहित्यिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रंखला शुरू की जायेगी.

इस कार्यक्रम का उद्देश्य लाला लाजपत राय, 'लोकमान्य' बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल, जिन्हें '**लाल-बाल-पाल**' के नाम से भी जाना जाता है, की स्मृतियों को पुनर्जीवित करना है. इस संगठन का मानना है कि उनकी इस पहल से पश्चिमी बंगाल तथा महाराष्ट्र के मध्य संबंधो को मजबूती मिलेगी.

कार्यक्रमों के आयोजन का कारण

- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, **पंजाब, बंगाल और महाराष्ट्र** ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है.
- **स्वतंत्रता के पश्चात्**, महाराष्ट्र और पंजाब के मध्य सामाजिक-सांस्कृतिक बंधनों में दृढ़ता आयी है, पर अतीत की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक आत्मीयता की समृद्ध विरासत के बाद भी **महाराष्ट्र तथा बंगाल के संबंध कुछ कमजोर पड़ गये हैं.**

इस कार्यक्रम के विषय में कुछ मुख्य तथ्य

1. इस कार्यक्रम की अवधि दो साल की होगी तथा इसे **'महाराष्ट्र-बंगाल मैत्री अध्याय'** नाम दिया गया है.
2. कार्यक्रम को दोनों राज्यों में जनता के '**सांस्कृतिक पुनरुत्थानवादी आंदोलन**' के रूप में परिकल्पित किया है.
3. इसका आरम्भ **लोकमान्य तिलक की मृत्यु शताब्दी (1 अगस्त, 1920)** से होगा तथा **महान दार्शनिक, श्री अरबिंदो घोष की 150 वीं जयंती (15 अगस्त, 2022)** तक चलेगा.

लाल-बाल-पाल का योगदान

1885 से 1905 तक भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन की बागडोर कांग्रेस के **उदारवादी दल** के हाथ में थी. 1905 ई. से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दूसरा चरण प्रारम्भ होता है, जिसे **उग्रवादी युग** की संज्ञा दी गई है. जब ब्रिटिश साम्राज्यवाद का वरदान मानने वाले तथा उनकी न्यायप्रियता में अटूट विश्वास रखनेवाले उदारवादी नेताओं का विश्वास टूटकर बिखर गया तब कांग्रेस में एक नए तरुण वे का उदय हुआ जो प्रार्थना के बदले संघर्ष का मार्ग अपनाने को आतुर था. उग्रवादी दल के नेताओं में प्रमुख थे – बाल गंगाधर तिलक, लाल लाजपत राय, विपिनचन्द्र पाल (**बाल-लाल-पाल**) एवं अरविन्द घोष. गरम दल के इन नेताओं का मानना था कि सरकार पर दबाव डालकर ही अधिकारों को पाया जा सकता है. कांग्रेस के अन्दर अब युवा वर्ग की संख्या बढ़ने लगी थी जो जल्द से जल्द स्वराज्य और स्वतंत्रता चाहता था. कांग्रेस के दो दल हो गए – एक शांतिमय ढंग से सरकार का सक्रीय विरोध करना चाहता था और दूसरा क्रांति का मार्ग अपनाना चाहता था.

उग्रवादी सरकार के सुधारों से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे. वे जितना सरकार का विरोध करते थे उतना ही उदारवादियों के विचार का भी विरोध करते थे. गरम दल के अग्रदूत ब्रिटिश शासन को वरदान के बदले अभिशाप मानते थे. उनके कार्यक्रम में बहिष्कार तथा स्वदेशी और राष्ट्रीय शिक्षा को विशेष महत्त्व दिया गया था. उनका कहना था कि स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और उसे प्राप्त करना कांग्रेस का लक्ष्य. हम स्वतंत्रता और न्याय चाहते हैं, दया की भीख नहीं. उग्रवादी स्वराज्य का वास्तविक/सार्थक स्वतंत्रता मानते थे. उग्रवादी प्रजातंत्र संविधान और प्रगति के साथ-साथ राष्ट्रीय आन्दोलन का सामाजिक आधार विस्तृत बनाना चाहते थे. उन्हीं के प्रयत्नों के परिणाम-स्वरूप निम्न मध्यम वर्ग राष्ट्रीय आन्दोलन में प्रवेश कर पाए. गरम दल (*garam dal*) के नेताओं ने जनसाधारण को राष्ट्रीयता और राजनीति का पाठ पढ़ाने के लिए विभिन्न समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं का प्रकाशन आरम्भ किया. इस प्रकार उग्रवाद भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन की महत्त्वपूर्ण इकाई बन गया.

GS Paper 1 Source : Down to Earth